Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
January to March 2025 E-Journal, Volume I, Issue XLIX, ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिलाषाओं का विश्लेषण

राकेश कुमार जीनगर* डॉ. राखी शर्मा **

* शोधार्थी (शिक्षाशास्त्र) विक्रम यूनिवर्सिटी, उज्जैन (म.प्र.) भारत
** सह-प्राध्यापक (शिक्षाशास्त्र) विक्रम यूनिवर्सिटी, उज्जैन (म.प्र.) भारत

शोध सारांश – विद्यालय में अध्ययनरत सभी विद्यार्थी बाह्य रूप से एक समान प्रतीत होते हैं, किंतु गहराई से देखने पर प्रत्येक विद्यार्थी अपनी प्रवृत्तियों और अनुभूतियों के आधार पर हर व्यक्ति में भिन्नता पाई जाती है। प्रत्येक व्यक्ति में 'आकांक्षा' नामक एक विशिष्ट गुण विद्यमान होता है, जो उसे अपने भविष्य के प्रति योजनाएँ बनाने और यह लक्ष्य तय करने में मदद करता है। जब कोई व्यक्ति अपनी शिक्षा प्राप्त कर रहा होता है, तब यही आकांक्षा उसे अपने शैक्षिक लक्ष्यों को तय करने और उनकी पूर्ति के लिए प्रेरित करती है। प्रारंभ में ये लक्ष्य केवल कल्पनाओं के रूप में होते हैं, किंतु समय के साथ वे धीरे-धीरे वास्तविक स्वरूप धारण करने लगते हैं।

शब्द कुंजी –शैक्षिक आकांक्षा, यथार्थवाद, आदर्शवाद, शैक्षिक उपलब्धि।

प्रस्तावना – शिक्षा मानव जीवन के विकास का प्रमुख आधार है। इसके माध्यम से व्यक्ति की जन्मजात क्षमताओं का विस्तार होता है, उसकी समझ और दक्षता में सुधार होता है और उसके आचरण में सकारात्मक बदलाव आता है। विद्या के माध्यम से मानव को सभ्य, संस्कारित और एक योग्य नागरिक के रूप में तैयार किया जाता है। आज के समय में हमारे देश में आर्थिक असमानता का स्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिसकी वजह से छात्रों को अपनी शिक्षा संबंधी गतिविधियों में भाग लेने के लिए वित्तीय और अन्य प्रकार की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है जब समाज उनकी शैक्षिक आकांक्षाओं को अव्यावहारिक मानते हुए आलोचना करता है, तो वे विद्यार्थी स्वयं को असहज अनुभव करने लगते हैं, जिससे उनमें मानसिक तनाव उत्पन्न होने की संभावना बढ़ जाती है। मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों के अनुसार, शैक्षिक आकांक्षाओं से जुड़े महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने के अंतर्गत किशोर छात्रों को विशेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

जब विज्ञान वर्ग का विद्यार्थी अपने लिए भविष्य के शैक्षिक लक्ष्य निर्धारित करता है, तो वह उन उद्देश्यों को हासिल करने के लिए गंभीर प्रयास आरंभ करता है। किंतु कई बार अपेक्षित उम्मीद के मुताबिक परिणाम न मिलने पर वह उदासी का अनुभव करने लगता है। विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों को अन्य वर्गों के विद्यार्थियों की तुलना में अधिक संवेदनशील माना जाता है। यही संवेदनशीलता कभी-कभी उनके के लिए परेशानी का सबक बन जाती है। ऐसी ही समस्याओं में से एक है अपने शैक्षणिक उद्देश्यों में असफल होने के पश्चात हतोत्साह होकर नकारात्मक प्रवृत्तियों की ओर बढ़ना।

शैक्षिक मार्गदर्शन और परामर्श के अभाव में किशोर विद्यार्थी सोशल मीडिया, सामाजिक प्रभाव और बाहरी आकर्षण के प्रभाव में अपनी वास्तविक क्षमताओं से परे जाकर उच्च शैक्षिक लक्ष्य निर्धारित कर लेते हैं। जब ये लक्ष्य पूरे नहीं होते, तो वे दिवास्वप्नों के चक्रव्यूह में उलझकर अपनी ऊर्जा का अपव्यय करने लगते हैं।

समस्या कथन – उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा के स्तर का विश्लेषण।

समस्यात्मक विवरण में प्रयुक्त शब्दों का परिभाषा

(क) उच्च माध्यमिक स्तर

सामान्य अर्थ– उच्च माध्यमिक स्तर का तात्पर्य उन कक्षाओं से है, जो विद्यालयी शिक्षा के कक्षा 11 एवं 12 के स्तर पर संचालित होती हैं।

विशेष अर्थ –प्रस्तुत अध्ययन में उच्च माध्यमिक स्तर से आशय जिला चित्तौड़गढ में स्थित, राजस्थान बोर्ड से संबद्ध प्राप्त स्कूलों में कक्षा 11 एवं 12 में अध्ययनरत विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों से है।

(ख) विज्ञान वर्ग

इस अध्ययन में विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों का अर्थ उन छात्रों से है, जो कक्षा 11 एवं 12 में राजस्थान बोर्ड द्वारा निर्धारित विज्ञान विषयों – जैसे रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान एवं गणित आदि विषयों को पढ़ते हैं।

(ग) शैक्षिक आकांक्षा

सामान्य अर्थ– शैक्षिक आकांक्षा का आशय विद्यार्थी द्वारा अपनी वर्तमान शैक्षिक उपलब्धियों के आधार पर भविष्य के लिए निर्धारित शैक्षिक लक्ष्यों और उनकी प्राप्ति की अपेक्षाओं से है।

विशेष अर्थ – प्रस्तुत अध्ययन में शैक्षिक आकांक्षा से आशय जिला चित्तौड़गढ़ के के राजस्थान बोर्ड से संबद्ध प्राप्त स्कूलों में कक्षा 11 एवं 12 में पढ़ने वाले विज्ञान समुह के विद्यार्थियों द्वारा वी.पी. शर्मा एवं अनुराधा गुप्ता द्वारा निर्मित शैक्षिक आकांक्षा मापदंड (EAS&SG & Form P) पर प्राप्त किए गए अंकों से है।

शोध के उद्देश्य – उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययन कर रहे विज्ञान संकाय के छात्रों की शैक्षणिक अभिलाषा का स्तर का विश्लेषण करना।

उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विज्ञान वर्ग की छात्राओं के शैक्षिक आकांक्षा स्तर का अवलोकन करना।

उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं के शैक्षिक आकांक्षा स्तर का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाएँ – उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विज्ञान वर्ग के छात्रों का शैक्षिक आकांक्षा स्तर निम्न है।

उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विज्ञान वर्ग की छात्राओं का शैक्षिक आकांक्षा स्तर निम्न है।

उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं के शैक्षिक आकांक्षा स्तर में कोई उल्लेखनीय अंतर नहीं है।

शोध की परिसीमाएँ – प्रस्तुत अध्ययन केवल राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले तक सीमित है।

यह अध्ययन राजस्थान बोर्ड से मान्यता प्राप्त उच्च माध्यमिक विद्यालयों तक ही सीमित है।

अध्ययन में केवल कक्षा 11 एवं कक्षा 12 में अध्ययनरत विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों को शामिल किया गया है।

इस अध्ययन का आधार 120 विद्यार्थियों का नमूना आकार और उनका शैक्षिक आकांक्षा स्तर तक सीमित है।

संबंधित साहित्य सर्वेक्षण

शर्मा, एस. निधि (2002), छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में 'उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षाओं पर माता–पिता के भावनात्मक संबंधों का प्रभाव' विषय पर अनुसंधान किया। अपनी शोध प्रक्रिया में उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि उच्च और निम्न निष्पत्ति वाले विद्यार्थियों के माता–पिता के व्यवहार में भिन्नता पाई जाती है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि जिन विद्यार्थियों के माता–पिता का अपनी संतान के प्रति उच्च सकारात्मक भावनात्मक संबंध होता है, उन विद्यार्थियों का शैक्षिक आकांक्षा स्तर अपेक्षाकृत अधिक होता है। इसके विपरीत, जिन विद्यार्थियों के माता–पिता का अपनी संतानों के प्रति भावनात्मक संबंध निम्न स्तर का होता है, उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर में भी गिरावट देखी गई।

गौतम, अमित एवं चंदेल, एन.पी.एस. (2016), दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी) में 'विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं शैक्षिक आकांक्षा का अध्ययन' विषय पर अनुसंधान किया। अपनी शोध प्रक्रिया में उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षणिक सफलता में महत्वपूर्ण अंतर पाया जाता है, जबकि उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर में कोई सार्थक अंतर परिलक्षित नहीं हुआ। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अपने अध्ययन में यह भी पाया कि छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं शैक्षिक आकांक्षा के मध्य एक हल्का नकारात्मक सह–संबंध (Negative Correlation) होता है।

यादव, सुनील कुमार (2018), महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी में 'विज्ञान वर्ग के छात्रों की शैक्षणिक आकांक्षाओं पर पारिवारिक परिवेश का प्रभाव विषय पर शोध किया। अपने अध्ययन में उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि जिन विद्यार्थियों का पारिवारिक वातावरण अध्ययन के अनुकूल होता है, उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर में वृद्धि देखी जाती है। विशेष रूप से विज्ञान समूह के छात्रों में यह प्रवृत्ति ज्यादा स्पष्ट रूप से पाई गई।

सिंह, प्रिया (2021), दिल्ली विश्वविद्यालय में 'उच्च माध्यमिक स्तर पर विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा पर विद्यालयी वातावरण का प्रभाव' विषय पर अनुसंधान किया। अपनी शोध प्रक्रिया में उन्होंने यह निष्कर्ष निकला कि जिन विद्यार्थियों को प्रयोगशाला सुविधाएं, अनुभवी शिक्षक तथा परामर्शदाताओं का सहयोग मिला, उनकी शैक्षिक आकांक्षाएं अपेक्षाकृत उच्च स्तर की थीं। इसके विपरीत, संसाधनों की कमी वाले विद्यालयों के छात्रों में शैक्षणिक अभिलाषाओं का स्तर कम दर्ज किया गया।

शेखावत, संजय कुमार (2019), महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर में 'राजस्थान के उच्च माध्यमिक स्तर पर विज्ञान वर्ग के छात्रों की शैक्षणिक अभिलाषाओं पर सामाजिक एवं आर्थिक कारकों का प्रभाव' विषय पर शोध किया। अध्ययन में उन्होंने पाया कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों की अपेक्षा शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों का शैक्षिक आकांक्षा स्तर अधिक था। साथ ही, जिन विद्यार्थियों के परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत थी, उनके शैक्षिक आकांक्षा स्तर में वृद्धि देखी गई।

शोध विधि – इस अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि (Descriptive Survey Method) का उपयोग किया गया। इस विधि के अंतर्गत क्रॉस–सेक्शनल सर्वे डिजाइन (Cross Sectional Survey Design) को अपनाते हुए समूह तुलना तकनीक (Group Comparison Technique) का प्रयोग किया गया।

अध्ययन चर (Variables)

1. लिंग– छात्र एवं छात्राएं
2. शैक्षिक आकांक्षा स्तर
3. शैक्षिक स्तर– उच्च माध्यमिक स्तर

जनसंख्या एवं नमूना (Population & Sample) – इस अध्ययन में जनसंख्या के रूप में चित्तौड़गढ (राजस्थान) जिले में स्थित उन सभी उच्च माध्यमिक विद्यालयों को शामिल किया गया है, जो राजस्थान बोर्ड अजमेर से मान्यता प्राप्त हैं और जिनमें कक्षा 11 एवं 12 के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

नमूने के रूप में कक्षा 11 एवं 12 में अध्ययनरत विज्ञान वर्ग के 120 विद्यार्थियों का चयन किया गया। विद्यार्थियों के चयन हेतु बहुस्तरीय यादृच्छिक नमूना चयन विधि (Multi Stage Random Sampling Method) का प्रयोग किया गया।

क्र.	विद्यालय का नाम	लिंग		कुल विद्यार्थी
		छात्र	छात्राए	
1	शहीद मेजर नटवर सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ,चित्तौड़गढ़	10	10	20
2	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, निंबाहेड़ा,चित्तौड़गढ़	10	10	20
3	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, राश्मी, चित्तौड़गढ़	10	10	20
4	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बेगु, चित्तौड़गढ़	10	10	20
5	राजकीय महाराणा सीनियर सैकंडरी स्कूल ,कपासन, चित्तौड़गढ़	10	10	20
6	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, भुपालसागर, चित्तौड़गढ़	10	10	20

अध्ययन उपकरण: इस अध्ययन में उपकरण के रूप में डॉ. वी.पी. शर्मा एवं डॉ. अनुराधा गुप्ता द्वारा विकसित शैक्षिक आकांक्षा मापनी (Educational Aspiration Scale & Inventory & EAS&SG) का

उपयोग किया गया है।

सांख्यिकीय विधियां: इस अध्ययन में वर्णनात्मक (Descriptive) तथा प्राचल सांख्यिकी (Parametric Statistics) तकनीकों का प्रयोग किया गया। आंकड़ों के विश्लेषण एवं परिकल्पनाओं के जांच हेतु निम्न सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग किया गया है।

माध्यमान (Mean),मानक विचलन (Standard Deviation & SD),क्रांतिक अनुपात (Critical Ratio & CR),सार्थकता स्तर (Significance Level & SL)

प्रदत्त विश्लेषण एवं परिकल्पना परीक्षण:- प्राप्त आंकड़ों को संकलित करने एवं सारणीयन के पश्चात कला एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के मध्य विविध प्रकार की सांख्यिकीय गणनाओं द्वारा निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुए।

अध्ययन परिणाम एवं व्याख्या:

माध्यमान के आधार पर-गणना के अनुसार, छात्रों के शैक्षिक आकांक्षा स्तर का मध्यमान 36.5 है, जबकि छात्राओं का शैक्षिक आकांक्षा स्तर का मध्यमान 39.3 है। इस गणना से स्पष्ट होता है कि छात्राओं की शैक्षणिक अभिलाषा का स्तर छात्रों की अपेक्षा 2.8 अंक अधिक है। यह अंतर दर्शाता है कि छात्राओं का शैक्षिक आकांक्षा स्तर अपेक्षाकृत उच्च है।

प्रमाणित विचलन के आधार पर -गणना के अनुसार, छात्रों के शैक्षिक आकांक्षा स्तर का मानक विचलन 15.2 है, जबकि छात्राओं का मानक विचलन 14.1 है। इस अंतर के आधार पर निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि छात्रों का मानक विचलन छात्राओं की तुलना में 1.10 अधिक है। इसका अर्थ यह है कि छात्रों के शैक्षिक अभिलाषा स्तर में विविधता का स्तर अधिक है, भले ही उनका औसत आकांक्षा स्तर छात्राओं की तुलना में कम हो।

क्रांतिक अनुपात के आधार पर- गणना में प्राप्त क्रांतिक अनुपात का मान 0.63 है, जो कि 0.05 स्तर (1.98) एवं 0.01 स्तर (2.62) पर निर्धारित मानक मूल्यों से काफी कम होता है। इससे स्पष्ट होता है कि प्राप्त मान दोनों ही स्तरों पर असार्थक है। फलस्वरूप, यह परिकल्पना स्वीकार होती है कि विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं के शैक्षिक अभिलाषा स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है। अत: निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं का शैक्षिक आकांक्षा स्तर समान है, एवं इस पर लिंग का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

अध्ययन निष्कर्ष:

1. उच्च माध्यमिक स्तर पर पर पढ़ रहे विज्ञान समुह की छात्राओं का शैक्षिक अभिलाषा स्तर छात्रों की तुलना में आंशिक रूप से अधिक है।
2. विज्ञान वर्ग के छात्रों के शैक्षणिक आकांक्षा स्तर में छात्राओं की अपेक्षा विविधता का स्तर अधिक है।
3. विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं के शैक्षिक आकांक्षा स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है, अर्थात शैक्षिक अभिलाषा स्तर का संबंध व्यक्ति के लिंग से नहीं होता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. शर्मा, आर.ए. (2009), शैक्षिक अनुसंधान, लाल बुक डिपो मेरठ।
2. गुप्ता, ए..पी. (2009), सांख्यिकीय विधियां, शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद।
3. जायसवाल, सीताराम (2008), भारतीय शिक्षा का विकास एवं समस्याएं, विद्या प्रकाशक लखनऊ।
4. पाण्डेय, के.पी. (2012), शैक्षिक अनुसंधान, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
5. गौतम, अमित, चन्देल, एन.पी.एस. (2016), उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं शैक्षिक आकांक्षा का अध्ययन,दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट आगरा।
6. अग्रवाल, जे.सी. (2010), शैक्षिक मनोविज्ञान, विकास पब्लिशिंग हाउस दिल्ली।
7. मिश्रा, आर.सी. (2011), शैक्षिक अनुसंधान के सिद्धांत, विनय पब्लिकेशन मेरठ।
8. सक्सेना, एन.आर. (2013), शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन, आर.लाल बुक डिपो मेरठ।
9. पाठक, रमेश (2015), शैक्षिक आकांक्षाएं एवं उपलब्धि, ज्ञानदीप प्रकाशन इलाहाबाद।
10. त्रिपाठी, एस.के. (2018), शिक्षा एवं समाजशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
11. मिश्र, आर.के. (2017). शैक्षिक आकांक्षाएं और मानसिक विकास, ज्ञानदीप प्रकाशन ,वाराणसी।
12. कुमार, संजय (2015). शैक्षिक मनोविज्ञान,एनसीईआरटी ,नई दिल्ली।

प्रयोजय प्रकति	प्रयोजय संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मानक त्रुटि	स्वतत्रता स्तर	क्रांतिक अनुपात	सार्थकता स्तर	परिणाम
छात्र	60	36.5	15.2	3.10	118	0.63	0.05 असार्थक	स्वीकृति
छात्रा	60	39.3	14.1				0.01 असार्थक	

****